

भूकंप में अब तक 132 मौतें



बोगोटा। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई इलाकों को हिलाकर रख दिया। भूकंप के बाद बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कम से कम 132 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस भूकंप का असर पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस किया गया। हादसे के बाद स्थानीय स्तर पर बचाव दल प्रभावित इलाकों में लोगों की तलाश में जुटे हैं। भूकंप की तबाही के बाद कई देशों के नेताओं ने कोलंबिया के लोगों के प्रति संवेदना और समर्थन जताया है। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने कहा कि

मुश्किल की इस घड़ी में कोलंबिया फ्रांस की दोस्ती और मदद पर भरोसा कर सकता है। उन्होंने भूकंप में मारे गए लोगों, उनके परिवारों, घायलों और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताई।

मैक्रों ने राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों की भी सराहना की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी कोलंबिया के लोगों के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी कोलंबिया में आए भूकंप की खबर बेहद दुखद है और इसका असर पड़ोसी इक्वाडोर पर भी पड़ा है। उन्होंने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए दुनिया के सक्षम देशों से प्रभावित लोगों और देशों की मदद के लिए आगे आने की

अपील की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी कहा कि वह कोलंबिया में आए भीषण भूकंप से जुड़ी खबरों पर नजर रख रही हैं और इटली प्रभावित परिवारों तथा बचाव कार्य में जुटे लोगों के साथ खड़ा है। भूकंप से प्रभावित कोलंबिया के लिए पड़ोसी इक्वाडोर ने तत्काल मदद की पेशकश की है। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ अजुन ने कहा कि उनका देश कोलंबिया के साथ खड़ा है। उन्होंने कोलंबिया की मदद के लिए 47 बचावकर्मियों, प्रशिक्षित कुत्तों और जरूरी उपकरणों वाली यूएसएआर टीम उपलब्ध कराने की पेशकश की। इस टीम के पास सात दिनों तक अभियान चलाने की क्षमता बताई गई है। इक्वाडोर ने कहा कि

कोलंबिया की जरूरत के मुताबिक वह इस टीम को भेजने के लिए तैयार है।

भूकंप के बाद सबसे बड़ी चुनौती मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचना और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कई लोग अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। ऐसे में बचाव दलों के सामने समय सबसे बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन और घायलों तक सहायता पहुंचाने का काम भी जारी है। कोलंबिया के साथ खड़े देशों की ओर से मदद की पेशकश के बीच अब स्थानीय प्रशासन के सामने राहत अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने की चुनौती है।

उड़ान भरते ही कैसे फटा चीन का

लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट?

बीजिंग। चीन का लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट हैनान के वेनचांग लॉन्च साइट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद फट गया। इस हादसे में रॉकेट के साथ जा रहा सैटेलाइट भी नष्ट हो गया। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार, रॉकेट में हुए इस विस्फोट की जांच की जा रही है। लॉन्ग मार्च 7ए रॉकेट का यह अब तक का पहला असफल मिशन है। रॉकेट ने अपने पहले चरण की उड़ान वेनचांग से भरी थी। लेकिन उड़ान भरने के करीब 85 सेकंड बाद ऊपर जाने के शुरुआती चरण में इसमें कुछ खराबी दिखाई दी। इस घटना के कारण मिशन विफल हो गया। इससे चीन की लगातार बढ़ रही रॉकेट लॉन्च गतिविधियों को झटका लगा है। लॉन्ग मार्च 7ए एक मध्यम से भारी वजन वाले सैटेलाइट को अंतरिक्ष में ले जाने वाला रॉकेट है। इसे चाइना एकेडमी ऑफ लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी ने बनाया है। इसे मुख्य रूप से सैटेलाइट को जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट यानी जीटीओ तक पहुंचाने के लिए बनाया गया है। यह चीन के रॉकेटों के परिवार का एक अहम हिस्सा है। सीजेड-7ए, लॉन्ग मार्च 7 से बनाया गया है। इसमें लिक्विड-फ्यूल इंजन वाला एक मुख्य हिस्सा और उसके साथ बूस्टर लगे हैं। इसका डिजाइन चीन को ज्यादा भारी पेलोड को पृथ्वी से ज्यादा ऊंचाई की अंतरिक्ष कक्षाओं तक पहुंचाने में मदद करता है।



रॉकेट में विस्फोट क्यों हुआ?

रॉकेट में विस्फोट क्यों हुआ, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं चला है। जांचकर्ता रॉकेट से मिले टेलीमेट्री और दूसरे डेटा का विश्लेषण करेंगे। इसका मकसद यह पता लगाना है कि पहले चरण में रॉकेट के ऊपर जाने के दौरान आखिर क्या गड़बड़ी हुई।

उड़ान का शुरुआती चरण अहम क्यों?

उड़ान का शुरुआती चरण अहम होता है। इस दौरान रॉकेट पर हवा का दबाव तेजी से बदलता है। रॉकेट में तेज कंपन होता है। साथ ही, उसे जमीन से उड़ान भरने के बाद वातावरण में बहुत तेज गति से आगे बढ़ने के कठिन बदलाव से गुजरना पड़ता है।

चीन के लॉन्च कार्यक्रम पर क्या असर?

चीन ने हाल के वर्षों में रॉकेट लॉन्च करने की रफ्तार काफी बढ़ाई है। लॉन्ग मार्च रॉकेटों का परिवार उसके ऑर्बिटल कार्यक्रम की रीढ़ बना हुआ है। वेनचांग भी चीन के कुछ सबसे शक्तिशाली रॉकेटों और भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए एक बड़ा लॉन्च सेंटर बन गया है। इस असफलता के बावजूद चीन के बड़े अंतरिक्ष लॉन्च कार्यक्रम में कोई बुनियादी बदलाव होने की संभावना कम है। हालांकि, अंतरिक्ष उद्योग इस जांच पर करीब से नजर रखेगा। इंजीनियर यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि खराबी की वजह क्या थी और भविष्य के सीजेड-7ए मिशनों में ऐसी घटना दोबारा न हो।

Deepak Agarwal

Mob.: 7466869057

अग्रवाल एन्टरप्राइजेज

हमारे यहाँ पर सभी प्रकार के AC, फ्रिज, वॉशिंग मशीन एवं कूलर होल-सेल रेट पर मिलते हैं।

..... // कूलर ही कूलर //



एसी



फ्रिज



वॉशिंग मशीन



कूलर



पता- बल्केश्वर पार्क के सामने,
बल्केश्वर रोड, आगरा